

---

# Shrikrishna ArArtika

श्रीकृष्णार्तिका

## Document Information

---

Text title : kRRiShNArArtika

File name : kRRiShNArArtika.itx

Category : vishhnu, krishna, puShTimArgIya, AratI, viThThaleshvara

Location : doc\_vishhnu

Author : viThThalesha

Proofread by : PSA Easwaran psawaswaran at gmail.com

Description/comments : puShTimArgIya stotraratnAkara

Latest update : February 28, 2018

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

September 17, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीकृष्णारार्त्तिका



शरणागतभीतिनिवृत्तिपरं  
परपक्षतमोनिकरांशुनिधिम् ।  
निधिसेवितपादसरोजयुगं  
युगाधर्मनिवर्त्तककालकृलम् ॥ १ ॥

करजोत्प्लिभितप्रमदोव्यकुचं  
कुचकुङ्कुमलिभयशोद्धयम् ।  
उद्धयस्थितगोकुलवासिजनं  
जनसञ्चितपुण्ययथैककृलम् ॥ २ ॥

कृलदानपरातिसमर्थभुजं  
भुजदण्डगुडीतकुचाग्रमणिम् ।  
मणिशोभितउस्तधृताद्रिवरं  
वरगोपवधूयसंवलितम् ॥ ३ ॥

वलितप्रमदायुतरासकरं  
करपद्मयुगाढितवेणुवरम् ।  
वरभक्तिशिरःस्थितपद्मकरं  
करमर्दितयादवयूथरिपुम् ॥ ४ ॥

रिपुयूथभुजङ्गमदर्पउरं  
उरपूजितरम्यसरोजपदम् ।  
पदपद्मयुगार्थनदत्तपदं  
पदपद्मनभस्थितभक्तिरसम् ॥ ५ ॥

रसपूरितगोपवधूशारणं  
शरणागतधोषजनाभयदम् ।  
भयदाधिशिरोडरभङ्गधरं  
धरणीकृतपुण्ययथैककृलम् ॥ ६ ॥


कृलडेतुविमर्दितदृष्टभरं  
परमुक्तिदपादसरोजवरम् ।  
वरभर्त्शिभर्त्सिउक्युक्तकथं  
कथपाशिनिवेशितपुष्पययम् ॥ ७ ॥

घोषाधिपतिं कमलाधिपतिं  
वन्दे तमलं मथुराधिपतिम् ॥ ८ ॥


एति श्रीविहृलेशविरचिता श्रीकृष्णारार्तिका समाप्ता ।

Proofread by PSA Easwaran

---

——  
*Shrikrishna ArArtika*

pdf was typeset on September 17, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

